सर्वनाम

सर्वनाम की परिभाषा

वाक्य में संज्ञा शब्दों का बार-बार प्रयोग न करके उनके स्थान पर जिन शब्दों का प्रयोग होता है, उन्हें सर्वनाम कहते हैं। अर्थात जो शब्द सब नामों की जगह प्रयोग किए जाते हैं, वे सर्वनाम कहलाते हैं।

सर्वनाम शब्दों का अपना कोई अलग से अर्थ नहीं होता है; जैसे - वह लड़का है तो 'वह' शब्द लड़के के लिए आया है। अत: सर्वनाम शब्द का अर्थ उनके संदर्भ में होता है जिसके लिए प्रयोग हो, उसी जैसा हो जाता है।

सर्वनाम के प्रकार:-

सर्वनाम के छ: प्रकार होते हैं -

(1) पुरूषवाचक सर्वनाम

(2) सम्बंधवाचक सर्वनाम

(3) निश्चयवाचक सर्वनाम

(4) अनिश्चयवाचक सर्वनाम

(5) प्रश्नवाचक सर्वनाम

(6) निजवाचक सर्वनाम

पुरूषवाचक सर्वनाम

किसी व्यक्ति का बोध कराने वाले सर्वनाम को पुरूषवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे - मैं, आप, तुम।

उदाहरण - (क) **वह** एक अच्छा लड़का है।

(ख) **मैं** कल स्कूल जाऊँगा।

(ग) **आप** मुझसे कल मिलना।

(घ) **तुम** कल मेरे घर आना।

पुरूषवाचक सर्वनाम को पुरूषों में विभाजित किया गया है -

(क) उत्तम (प्रथम) पुरूष :- उन सर्वनामों को जिन्हें बोलने वाला स्वयं अपने लिए प्रयोग करता है, उसे उत्तम पुरूष कहते हैं; जैसे - मैं, हम, मुझे, हमें, मेरा, हमारा आदि।

(ख) मध्यम पुरूष :- जिन्हें सुनने वाले के लिए प्रयोग किया जाता है, उन सर्वनामों को मध्यम पुरूष सर्वनाम कहते हैं; जैसे - तुम, आप, तुम्हें, तुम्हारा, तुम्हारी, आपका, आपकी।

(ग) अन्य पुरूष :- जिसके बारे में बात की जा रही हो, उन सर्वनामों को अन्य पुरूष वाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे - वह, उसने, उसे, उन्हें, उन्होंने आदि।

सम्बंधवाचक सर्वनाम

दो कथनों में सम्बंध स्थापित कराने वाले सर्वनाम को सम्बंधवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे - जो, जिसने, जिन्होंने आदि।

उदाहरण - चित्र

(क) मैं राधा के घर गया जो कि दूर है।

यहाँ 'जो' शब्द घर तथा दूरी में सम्बंध बता रहा है कि घर दूर है।

(ख) वह राम है जिसने तुमसे अभी बात की थी।

यहाँ 'जिसने' शब्द द्वारा राम तथा बात करने वाले के बीच बातचीत के संम्बध को बताया गया है।

(ग) वे मेरे पिताजी हैं जिन्होंने तुम्हें यह पुस्तक दी है।

यहाँ 'जिन्होंने' शब्द द्वारा पिताजी तथा पुस्तक देने वाले व्यक्ति के बीच सम्बंध स्थापित किया गया है।

निश्चयवाचक सर्वनाम

वे सर्वनाम शब्द जो दूर या पास की वस्तुओं या व्यक्तियों का बोध कराते हैं, इन्हें निश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं। इस सर्वनाम को संकेतवाचक सर्वनाम भी कहा जाता है। ये इस प्रकार हैं- वह, वे, उसे, उन्हें, उसका, उनका आदि।

उदाहरण –

(क) **वह** पुस्तक मेरी है।

(ख) **वह** मेरी माँ है।

यहाँ वह, यही, यह, वही आदि शब्द दूर या पास की वस्तुओं के लिए बोले जा रहे हैं, इसलिए यहाँ निश्चयवाचक सर्वनाम है।

अनिश्चयवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनामों से किसी निश्चित विशेष व्यक्ति, स्थान अथवा वस्तु का पता नहीं चलता है, उन्हें अनिश्चयवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे - कोई, कहीं, कुछ, किसी आदि जैसे शब्द।

उदाहरण -

(क) घर पर कोई आया हुआ है।

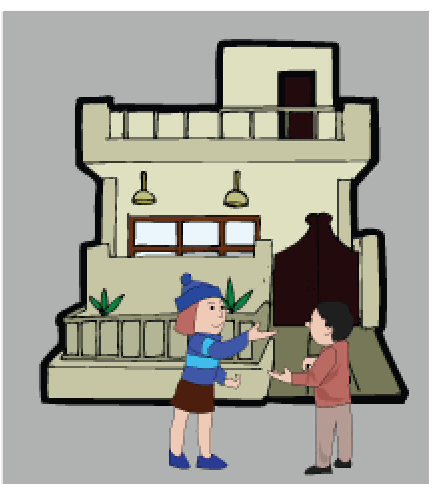

(ख) किसी ने यह बैग यहाँ छोड़ दिया है।

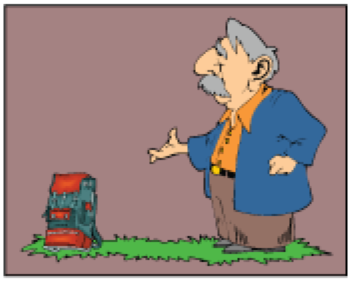

प्रश्नवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनामों का प्रयोग प्रश्न पूछने के लिए किया जाता है, उन्हें प्रश्नवाचक सर्वनाम कहते हैं; जैसे - कौन, किसे, कहाँ, क्या, कैसे आदि प्रश्नावाचक सर्वनाम हैं;

उदाहरण –

(क) तुम **कौन** हो?

(ख) वह **कैसी** है?

(ग) मोहन **कहाँ** जा रहा है?

(घ) राकेश **कैसा** लड़का है?

निजवाचक सर्वनाम

जिन सर्वनामों का प्रयोग स्वंय की क्रिया को दर्शाने के लिए किया जाता है, उसे निजवाचक सर्वनाम कहते हैं।

उदाहरण -

(क) मैं **स्वयं** खाना खा लूंगा।

(ख) आप रहने दो मैं **<u>अपने-आप</u>** स्कूल चला जाऊँगा।

(ग) तुम रहने दो मैं **<u>स्वयं</u>** किताबे रख दूँगा।

(क) अपना काम **<u>स्वयं</u>** करना चाहिए।

(ख) तुम छोड़ दो मैं **<u>अपने-आप</u>** खाना खा लूंगा।